

पैनियम - नंबर नौ

चौथी पंक्ति

Jeff Pippenger

2025-04-01

और दक्षिण का राजा क्रोध से उबल उठेगा, और निकलकर उससे, अर्थात् उत्तर के राजा से, युद्ध करेगा; और वह एक बहुत बड़ी सेना खड़ी करेगा, परन्तु वह सेना उसके हाथ में कर दी जाएगी। और जब वह उस सेना को हरा लेगा, तब उसका मन ऊँचा हो जाएगा; और वह बहुतों, दस-दस हज़ारों को मार गिराएगा; तौभी वह इससे बलवान न होगा। दानिय्येल 11:11, 12.

पद्य ग्यारह और बारह यूक्रेन और यूरोपीय संघ पर पुतिन की विजय तथा यूक्रेनी युद्ध में उसकी जीत के बाद पुतिन के लिए होने वाले परिणाम और दुष्परिणाम को दर्शाते हैं, जैसा कि 217 ईसा पूर्व राफिया में प्टोलेमी की विजय और पद्य बारह में उसकी मृत्यु द्वारा निरूपित है। इन पद्यों का विषय दक्षिण के राजा का उदय और पतन है।

अब तक लेख अध्याय ग्यारह की भविष्यसूचक पंक्तियों के मूल विषयों की पहचान करते आए हैं। अध्याय में आगे बढ़ने से पहले, पद्य ग्यारह पर थोड़ा और ठहरने की आवश्यकता है। दानिय्येल अध्याय ग्यारह, पद्य ग्यारह का मेल प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह, पद्य ग्यारह से खाता है।

और साढ़े तीन दिन के बाद, परमेश्वर से जीवन की आत्मा उनमें प्रवेश कर गई, और वे अपने पैरों पर खड़े हो गए; और जिन्होंने उन्हें देखा, उन पर बड़ा भय छा गया। प्रकाशितवाक्य 11:11.

2023 में, अथाह कुंड से निकलने वाले पशु द्वारा मारे गए वे दो गवाह अपने पैरों पर खड़े हो गए। रिपब्लिकन सींग की गवाही 2015 में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा के साथ शुरू हुई थी, और 2020 में विश्व के ग्लोबलिस्टों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया अजगर, तथा डेमोक्रेटिक पार्टी के ग्लोबलिस्ट रिपब्लिकन पार्टी के ग्लोबलिस्टों (RINO) के साथ मिलकर, चुनाव चुरा कर जो बाइडेन को सत्ता में बिठा दिया, और इस प्रकार सड़क पर डोनाल्ड ट्रंप को मार डाला। फ्यूचर फॉर अमेरिका मंत्रालय द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया प्रोटेस्टेंट सींग नैशविल पर इस्लाम के हमले का वर्णन करती एक त्रुटिपूर्ण भविष्यवाणी का प्रसार करने के कारण मार डाला गया। 2023 में, रिपब्लिकन और प्रोटेस्टेंट दोनों सींग पुनरुत्थित हुए। ग्यारहवाँ पद्य 2014 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत और उसके बाद पुतिन तथा रूस की अंतिम विजय तक की ओर संकेत करता है।

पद्य ग्यारह वह दृश्य परीक्षा है जो सामान्य रूप से एडवेंटाद के लिए न्याय में परिणत होती है; यह उन लोगों के लिए भी है जिन्होंने 9/11 के प्रकाश और तीसरे 'हाय' के आगमन को स्वीकार किया है; परंतु मुख्यतः यह उनके लिए है जिन्हें उस भविष्यवाणी के प्रकाश के प्रति जवाबदेह ठहराया जाएगा, जिसकी मुहर जुलाई 2023 से क्रमशः खोली गई है।

1989 में एडवेंटिज़्म के नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया, जैसा कि उस भविष्यसूचक काल में मसीह के जन्म द्वारा प्रतिरूपित किया गया था। मसीह के बपतिस्मा के समय उन्होंने उन चेलों को बुलाना आरम्भ किया जो मसीही कलीसिया की 'नींव' थे, और यह 9/11 का प्रतिरूप था, जब तीसरी हाय के इस्लाम के आगमन के साथ प्रभु ने अपने लोगों को धर्मयाह के 'पुराने मार्गों' पर वापस ले आया, जो एडवेंटिज़्म की नींव का प्रतिनिधित्व करते हैं। 9/11 को जीवितों का न्याय परमेश्वर के घराने से आरम्भ हुआ, और एडवेंटिज़्म ने प्रकाशितवाक्य अठारह के स्वर्गदूत के प्रकाश को उसी तरह अस्वीकार कर दिया जैसे यहूदियों ने यीशु को मसीह के रूप में अस्वीकार किया। जिन्होंने प्रकाशितवाक्य अठारह के स्वर्गदूत के प्रकाश को स्वीकार किया, उन्हें फिर 18 जुलाई, 2020 की निराशा से परखा गया।

जुलाई 2023 में, दानिय्येल अध्याय ग्यारह, पद ग्यारह का प्रकाश वर्तमान सत्य की बाह्य रेखा की पहचान करता है। दानिय्येल अध्याय ग्यारह के पद ग्यारह में पाई जाने वाली बाह्य भविष्यवाणी की पूर्ति का वह प्रकाश, प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के पद ग्यारह में पुनरुत्थित कुँवारियों के लिए प्रकट किया गया। प्रकाशितवाक्य उस आंतरिक इतिहास की पहचान करता है, जिसे दानिय्येल बाह्य इतिहास के रूप में खोलता है।

जुलाई 2023 से खोले गए प्रकाश पर विचार करने वाले लोग दो भिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि जुलाई 2023 के बाद जो कभी साथ-साथ चलते थे, उनमें से कुछ अब साथ नहीं चलते। न्याय प्रगतिशील है, और 9/11 से सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया को "पश्चाताप करने का समय" दिया गया कि वह "मिलर और उसके सहयोगियों द्वारा अपनाए गए भविष्यवाणी व्याख्या के नियमों" के अपने अस्वीकार से फिर सके—वे नियम जिन्हें उसने 1863 से क्रमशः अस्वीकार किया है। 9/11 से लेकर 18 जुलाई, 2020 तक सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया को पश्चाताप का अंतिम अवसर दिया गया, और उसी समय 2020 की नैशविल घोषणा में भाग लेने वालों की परीक्षा ली गई। जुलाई में, शुद्धिकरण का अंतिम चरण दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों के अध्याय ग्यारह के पद ग्यारह द्वारा दर्शाया गया है।

इसी परीक्षण प्रक्रिया में तीन में से दूसरा परीक्षण संपन्न होता है। दूसरा परीक्षण एक दृश्य परीक्षण है; इसके पहले भूख का परीक्षण होता है, और यह क्रम तीसरे परीक्षण पर समाप्त होता है, जो पहले दो परीक्षणों के विपरीत एक लिटमस परीक्षण है। जब आधी रात को 'देखो, दूल्हा आता है' की पुकार पर कुँवारियाँ जागती हैं, तो एक समूह के पास आवश्यक तेल होता है और दूसरा खो जाता है। मिलराइट्स इसी अनुभव से होकर गुज़रे, और ऐसा करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की बाहरी और आंतरिक दोनों रेखाओं की समझ प्रदर्शित की।

जब उन्होंने गिरी हुई प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं की पहचान बाबुल की पुत्रियों के रूप में करते हुए दूसरे स्वर्गदूत का संदेश घोषित किया, तब वे अपने अनुभव के बाहर का एक संदेश घोषित कर रहे थे। आधी रात की पुकार का संदेश घोषित करने के लिए, उन्हें पहले स्वयं को उन कुमारियों के रूप में देखना था जो विलंब के समय में रही थीं। दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य, दोनों के अध्याय ग्यारह के पद ग्यारह में, आंतरिक और बाहरी संदेश जुलाई 2023 से वर्तमान सत्य के रूप में उद्घाटित हुए।

दानिय्येल के अध्याय एक में, दूसरी, अर्थात् दृश्य, परीक्षा तब हुई जब उन्होंने दानिय्येल और तीन निष्ठावानों के चेहरे-मोहरे को "दिखावट" में बाबुल का भोजन खाने वालों से अधिक सुन्दर और अधिक हृष्ट-पुष्ट पाया। अध्याय दो में यह दृश्य परीक्षा एक भविष्यसूचक परीक्षा के रूप में प्रस्तुत होती है, जो एक छिपे हुए संदेश की सही व्याख्या की मांग करती है, और जो अंततः बाइबिल की भविष्यवाणी में वर्णित राज्यों की प्रतिमा के रूप में प्रकट की जाती है। दानिय्येल के अध्याय एक, दो और तीन, प्रकाशितवाक्य चौदह के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्वर्गदूतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रकाशितवाक्य अध्याय चौदह का दूसरा स्वर्गदूत मिलराइट इतिहास के बाहरी संदेश को संबोधित करता है, और दानिय्येल का दूसरा अध्याय भी भविष्यवाणी के इतिहास के पशुओं की प्रतिमा के माध्यम से बाहरी रेखा को संबोधित करता है। दानिय्येल के पहले अध्याय में दृश्य परीक्षा, दानिय्येल और उसके तीन साथियों पर आधारित थी, और इसलिए वह आंतरिक रेखा है। दानिय्येल के अध्याय एक से तीन और प्रकाशितवाक्य अध्याय चौदह के तीन स्वर्गदूतों के बीच की समानांतरता में प्रस्तुत भविष्यवाणी की बाहरी और आंतरिक रेखाएँ, दूसरे स्वर्गदूत के उस संदेश के लिए, जिसे मिलराइटों द्वारा पूरा किया गया था, एक अन्य साक्ष्य प्रदान करती हैं।

मिलेराइटों ने मध्यरात्रि की पुकार की घोषणा को पूरा करते समय बाह्य और आंतरिक दोनों प्रकार का संदेश घोषित किया। उनका बाह्य संदेश प्रकाशितवाक्य चौदह का दूसरा स्वर्गदूत था; इस प्रकार मिलेराइटों के संदेश को सीधे दूसरे स्वर्गदूत और दानिय्येल दो की प्रतिमा से जोड़ा गया। यह प्रतिमा बाइबल की भविष्यवाणी के बाह्य राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है—शाब्दिक बाबेल से लेकर आधुनिक बाबेल तक—जो मानव परीक्षाकाल के समाप्त होने पर अपने अंत को पहुँचता है। मिलेराइट फिर से बाबेल के बाह्य संदेश से जुड़ते हैं। दानिय्येल की दृश्य परीक्षा उस आहार

पर आधारित थी जिसे उसने खाने के लिए चुना था, और प्रकाशितवाक्य दस का पहला स्वर्गदूत, जो उतरकर एक पाँव पृथ्वी पर और दूसरा समुद्र पर रखता है, के पास एक खुली छोटी पुस्तक थी, जिसे योहन को खाने की आज्ञा दी गई थी। पहला स्वर्गदूत भोजन-इच्छा द्वारा निरूपित है और उसके बाद एक दृश्य परीक्षा आती है। दृश्य परीक्षा में सत्य की एक आंतरिक और एक बाह्य धारा शामिल है।

दानियेल 11 का पद 11, प्रकाशितवाक्य 11 के पद 11 के समानांतर, दोहरी दृश्य परीक्षण का प्रतिनिधित्व करता है। यह परीक्षण लिटमस परीक्षण पर आकर समाप्त होता है, जब कुँवारियाँ यह प्रकट करती हैं कि उनके पास तेल है या नहीं। यह प्रगटीकरण संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून पर अनुग्रहकाल के समापन से ठीक पहले होता है। रविवार के कानून पर अनुग्रहकाल के समापन का प्रतिरूप 22 अक्टूबर, 1844 था। 22 अक्टूबर, 1844 से ठीक पहले, 17 अगस्त, 1844 को, मिलर के अनुयायियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर संदेश को ज्वार की लहर की तरह फैला दिया।

1989 वह अन्त का समय है जब दानियेल की पुस्तक की मुहर खुली; और जब दानियेल की पुस्तक की मुहर खुलती है, तो सदा ज्ञान में वृद्धि होती है, जिससे उपासकों के दो वर्ग बनते हैं। 1989 उन तीन परीक्षात्मक मील के पत्थरों में पहला है, जैसा कि 1798 में पहले स्वर्गदूत के आगमन द्वारा प्रतीकित है। जब पहला स्वर्गदूत 11 अगस्त, 1840 को उतरा, तो उसने 9/11 पर उतरने वाले प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह के स्वर्गदूत का प्रतीक किया। मिलरवादी इतिहास की पहली निराशा ने दूसरे स्वर्गदूत के आगमन को चिह्नित किया और यह 18 जुलाई, 2020 तथा विलंब के समय की शुरुआत का प्रतीक भी थी। मिलरवादी धीरे-धीरे दूसरे स्वर्गदूत के संदेश के प्रति जागृत हुए और यह भी समझे कि वे दस कुँवारियों के दृष्टान्त की कुँवारियाँ थे। वे अगस्त 1844 में एक्सेटर कैम्प मीटिंग में पूरी तरह जागे। एक लाख चवालीस हजार जुलाई 2023 में जागृत हुए जब मध्यरात्रि की पुकार का संदेश क्रमशः खुलना शुरू हुआ।

मिलराइट्स के लिए एक्सेटर में प्रतीक्षा का समय समाप्त हो गया, ठीक वैसे ही जैसे लाज़र के परिवार के लिए वह तब समाप्त हुआ जब यीशु ने लाज़र को जिलाया—जो मसीह की सेवकाई का सर्वोच्च कार्य बना—और लाज़र उनकी सेवकाई की "मुहर" बन गया। लाज़र का पुनरुत्थान प्रतीक्षा के समय के अंत और परमेश्वर की प्रजा पर मुहर लगाने को चिह्नित करता है। इसके बाद हुआ विजयी प्रवेश मिलराइट इतिहास में "मध्यरात्रि की पुकार" के संदेश की घोषणा का प्रतीक था। दानियेल अध्याय 11 के पद 11 का विषय दक्षिण के राजा का उत्थान और पतन है, और यह पद 13 से 15 में पानियम के युद्ध तक ले जाता है। वे पद एक ऐसी कसौटी हैं, जहाँ पद 16 में जिन पुरुषों और स्त्रियों को एक निशान के रूप में ऊँचा उठाया जाना है, उनके ललाटों पर मुहर लगाई जाती है।

पद पंद्रह की पूर्ति पानियम के युद्ध में हुई, जो मसीह की कैसरिया फिलिप्पी की यात्रा के साथ मेल खाती है। वहीं कैसरिया फिलिप्पी में मसीह ने साइमन बारयोना का नाम बदलकर पीटर कर दिया, जिसने एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी को चिह्नित किया। तब से शीघ्र आने वाले क्रूस का प्रकाश शिष्यों के लिए खोल दिया गया। क्रूस से ठीक पहले जब मसीह ने साइमन का नाम बदलकर पीटर किया, तो यह एक्सेटर की कसौटी और लाज़रस की उस घटना के साथ मेल खाता है जिसने यरूशलेम में विजयी प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। 12 से 17 अगस्त तक का एक्सेटर कैम्प मीटिंग सत्य में अंतिम स्थिर हो जाने का प्रतिनिधित्व करता है, उस हिलाने वाली घटना से पहले जो दानियेल और प्रकाशितवाक्य के अध्याय ग्यारह में वर्णित रविवार के कानून का भूकंप है।

"बैटल क्रीक में काम भी इसी ढंग का है। आरोग्यशाला के नेताओं ने अविश्वासियों के साथ घुलमिल कर, उन्हें कमोबेश अपनी परिषदों में स्थान दिया है, पर यह आंखें मूंदकर काम करने जैसा है। उनमें यह विवेक नहीं है कि वे देख सकें कि किसी भी समय हमारे ऊपर क्या टूट पड़ने वाला है। हताशा, युद्ध और रक्तपात की एक भावना है, और वह भावना समय के बिलकुल अंत तक बढ़ती जाएगी। ज्यों ही परमेश्वर के लोगों के ललाटों पर मुहर कर दी जाएगी - यह कोई दिखाई देने वाली मुहर या चिह्न नहीं है, बल्कि सत्य में ऐसा स्थिर हो जाना है, बौद्धिक और आत्मिक, दोनों रूपों में, कि उन्हें डोलाया न जा सके - ज्यों ही परमेश्वर के लोग मुहरबंद होकर हिलावट के लिए तैयार हो जाएंगे, वह आ जाएगी। वास्तव में, यह पहले ही शुरू हो चुका है। परमेश्वर के न्याय अब भूमि पर हैं, हमें

चेतावनी देने के लिए, ताकि हम जान सकें कि क्या आने वाला है।" मैन्युस्क्रिप्ट रिलीज़ेज़, खंड 10, 252.

एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी को एक्सेटर कैम्प मीटिंग, मसीह द्वारा शमौन का नाम बदलकर पतरस रखना, और लाज़र के पुनरुत्थान द्वारा निरूपित किया गया था। वह पुनरुत्थान प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह में दो गवाहों के पुनरुत्थान का प्रतीक है। पद दस से सोलह, पद चालीस के छिपे हुए इतिहास का प्रतिनिधित्व करते हैं। पद चालीस के छिपे हुए इतिहास की मुहर का खुलना, पद ग्यारह की ऐतिहासिक पूर्ति और यूक्रेन युद्ध के भीतर आरंभ हुआ। जुलाई 2023 से यहूदा के गोत्र का सिंह उस छिपे हुए इतिहास की मुहर खोल रहा है।

जब प्रकाशितवाक्य अध्याय 11 के पद 11 में एक लाख चवालीस हज़ार में शामिल होने के उम्मीदवार पुनर्जीवित किए गए, तब रविवार के कानून के समय परिवीक्षा समाप्त होने से पहले जिसे पास करना अनिवार्य है, वह दृश्य भविष्यसूचक परीक्षा, जिसे सिस्टर वाइट 'पशु की प्रतिमा की परीक्षा' के रूप में पहचानती हैं, शुरू हुई।

प्रभु ने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया है कि अनुग्रह का समय समाप्त होने से पहले पशु की प्रतिमा निर्मित की जाएगी; क्योंकि यह परमेश्वर के लोगों के लिए वह महान परीक्षा होगी, जिसके द्वारा उनकी अनन्त नियति का निर्णय होगा। आपका मत इतनी विसंगतियों का घालमेल है कि बहुत कम लोग ही धोखा खाएँगे।

प्रकाशितवाक्य 13 में यह विषय स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है; [प्रकाशितवाक्य 13:11-17, उद्धृत].

"यह वह परीक्षा है जिससे परमेश्वर की प्रजा को उन पर मुहर लगने से पहले होकर गुजरना होगा। जो भी उसकी व्यवस्था का पालन करके और एक झूठे सब्त को स्वीकार करने से इंकार करके परमेश्वर के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करेंगे, वे प्रभु परमेश्वर यहोवा के ध्वज तले पंक्तिबद्ध होंगे और जीवित परमेश्वर की मुहर प्राप्त करेंगे। जो स्वर्ग से आई सच्चाई को छोड़कर रविवार का सब्त स्वीकार करेंगे, वे पशु का चिह्न प्राप्त करेंगे।" Manuscript Releases, खंड 15, 15.

भविष्यद्वाणी की बाहरी रेखा दानिय्येल 11:11 के इतिहास में उद्धाटित होती है, और आंतरिक रेखा प्रकाशितवाक्य 11:11 में उद्धाटित होती है। बाहरी रेखा यह बताती है कि जीवितों के न्याय की अवधि के दौरान पशु की प्रतिमा—जो कलीसिया और राज्य के संयोजन का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें संबंध पर कलीसिया का नियंत्रण होता है—कैसे बनती है। आंतरिक रेखा यह बताती है कि जीवितों के न्याय के दौरान मसीह का प्रतिरूप—जो देवत्व और मनुष्यता के संयोजन का प्रतिनिधित्व करता है—कैसे बनता है।

तीसरे स्वर्गदूत और एक लाख चवालीस हज़ार का सुधार आंदोलन 1989 में अंत के समय आरम्भ हुआ, जैसा कि दानिय्येल अध्याय ग्यारह के पद दस में दर्शाया गया है। तब दानिय्येल अध्याय बारह की पूर्ण पूर्ति आरम्भ हुई।

और उसने कहा, तू अपने मार्ग चला जा, दानिय्येल; क्योंकि ये वचन अन्त के समय तक बन्द और मुहरबन्द किए गए हैं। बहुतों को शुद्ध किया जाएगा, उजला किया जाएगा, और परखा जाएगा; परन्तु दुष्ट दुष्टता करेंगे; और दुष्टों में से कोई समझ न पाएगा, परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। दानिय्येल 12:9, 10.

ग्यारहवें अध्याय का दसवाँ पद 'शुद्धिकरण प्रक्रिया' की शुरुआत को दर्शाता है, जिसे पहला स्वर्गदूत 'परमेश्वर का भय मानना' के रूप में प्रस्तुत करता है। ग्यारहवाँ और बारहवाँ पद यह दर्शाते हैं कि एक लाख चवालीस हज़ार कहाँ श्वेत किए जाते हैं। जकर्याह की पुस्तक उस अनुभव की पहचान करती है।

और उसने मुझे यहोशू महायाजक को प्रभु के दूत के सामने खड़ा दिखाया, और शैतान उसके दाहिने हाथ पर उसे विरोध करने के लिए खड़ा था। और प्रभु ने शैतान से कहा, "हे शैतान, प्रभु तुझे डांटे; हाँ, वही प्रभु जिसने यरूशलेम को चुना है, तुझे डांटे। क्या यह आग से खींचकर निकाला हुआ जलता हुआ लकड़ी का टुकड़ा नहीं है?" तब यहोशू मैले वस्त्र पहने हुए था, और दूत के सामने खड़ा था। तब उसने उनसे जो उसके सामने खड़े थे कहा, "इसके मैले वस्त्र उससे उतार दो।" और उससे उसने कहा, "देख, मैंने तेरी अधर्मता तुझ से दूर कर दी है, और मैं तुझे नए वस्त्र पहनाऊँगा।" तब मैंने कहा, "उसके सिर पर एक सुंदर पगड़ी रख दें।" सो उन्होंने उसके

सिर पर सुंदर पगड़ी रख दी, और उसे वस्त्र पहनाए। और प्रभु का दूत पास ही खड़ा रहा। जकर्याह 3:1-5.

यह अंश महायाजक के रूप में मसीह के अंतिम कार्य में पूरा होता है और एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी का प्रतिनिधित्व करता है।

"जकर्याह का यहोशू और स्वर्गदूत का दर्शन, प्रायश्चित्त के महान दिन के समापन दृश्यों में परमेश्वर के लोगों के अनुभव पर विशेष बल के साथ लागू होता है। तब अवशिष्ट कलीसिया को भारी परीक्षा और संकट में डाला जाएगा। जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते हैं और यीशु में विश्वास रखते हैं, वे अजगर और उसकी सेनाओं के क्रोध को अनुभव करेंगे। शैतान संसार को अपनी प्रजा मानता है; उसने अपने को मसीही कहने वाले बहुतों पर भी अधिकार पा लिया है। पर यहाँ एक छोटी सी टोली है जो उसके प्रभुत्व का विरोध कर रही है। यदि वह उन्हें पृथ्वी से मिटा सके, तो उसकी विजय पूर्ण हो जाएगी। जैसे उसने इस्राएल का विनाश करने के लिए अन्यजाति राष्ट्रों को प्रभावित किया था, वैसे ही निकट भविष्य में वह पृथ्वी की दुष्ट शक्तियों को परमेश्वर की प्रजा को नष्ट करने के लिए उभार देगा। मनुष्यों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे दैवीय व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए मानवीय फरमानों का पालन करें।" भविष्यद्वक्ता और राजा, 587.

"प्रायश्चित्त के महान दिन के समापन दृश्य" में सबसे पहले एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी होती है, और उसके बाद परमेश्वर के अन्य उन बच्चों की मुहरबंदी होती है जो वर्तमान में बाबुल में हैं।

जब परमेश्वर के लोग उसके सम्मुख अपनी आत्माओं को दीन करते हैं और हृदय की शुद्धता के लिए विनती करते हैं, तब यह आज्ञा दी जाती है, 'मैले वस्त्र दूर करो,' और यह उत्साहजनक वचन कहे जाते हैं, 'देख, मैंने तेरी अधर्मता तुझे से दूर कर दी है, और मैं तुझे नए वस्त्र पहनाऊँगा।' जकर्याह 3:4। मसीह की धार्मिकता का निर्मल वस्त्र परमेश्वर के उन विश्वासयोग्य बच्चों पर रखा जाता है जिन्होंने परीक्षाएँ और प्रलोभन सहे हैं। तिरस्कृत बचे हुए जन गौरवशाली परिधान पहनाए जाते हैं, ताकि वे फिर कभी संसार की भ्रष्टताओं से मलिन न हों। उनके नाम मेम्ने की जीवन की पुस्तक में बने रहते हैं, और वे सब युगों के विश्वासियों में दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने धोखा देने वाले की चालों का प्रतिरोध किया है; अजगर की दहाड़ से उनकी निष्ठा नहीं डिगी। अब वे प्रलोभन देने वाले की युक्तियों से सदा के लिए सुरक्षित हैं। उनके पाप पाप के प्रवर्तक पर स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। उनके सिरों पर एक 'स्वच्छ पगड़ी' रखी जाती है।

"जब शैतान अपने आरोपों को जोर देकर प्रस्तुत कर रहा है, तब अदृश्य पवित्र स्वर्गदूत इधर-उधर आते-जाते हुए विश्वासयोग्य लोगों पर जीवित परमेश्वर की मुहर लगा रहे हैं। ये वे हैं जो मेम्ने के साथ सिय्योन पर्वत पर खड़े हैं, और उनके ललाट पर पिता का नाम लिखा हुआ है। वे सिंहासन के सामने नया गीत गाते हैं, वह गीत जिसे पृथ्वी से छुड़ाए गए एक लाख चवालीस हजार को छोड़ कोई मनुष्य सीख नहीं सकता। 'ये वे हैं जो मेम्ने के जहाँ कहीं जाने पर भी उसका अनुसरण करते हैं। ये मनुष्यों में से छुड़ाए गए हैं, और परमेश्वर तथा मेम्ने के लिये प्रथम फल हैं। और उनके मुँह में कोई छल नहीं पाया गया; क्योंकि वे परमेश्वर के सिंहासन के सामने निर्दोष हैं।' प्रकाशितवाक्य 14:4, 5."

"अब स्वर्गदूत के वचनों की संपूर्ण पूर्ति हो चुकी है: 'अब सुन, हे महायाजक यहोशू, तू और तेरे सामने बैठे तेरे साथी; क्योंकि वे आश्चर्य के पात्र पुरुष हैं; क्योंकि देख, मैं अपने दास 'अंकुर' को लाने वाला हूँ।' जकर्याह 3:8। मसीह अपने लोगों के मुक्तिदाता और छुड़ानेवाले के रूप में प्रकट होते हैं। अब सचमुच शेष बचे लोग 'आश्चर्य के पात्र' हैं, क्योंकि उनके परदेशवास के आँसू और दीनता, परमेश्वर और मेम्ने की उपस्थिति में आनन्द और आदर को स्थान दे देते हैं। 'उस दिन यहोवा का अंकुर सुन्दर और महिमामय होगा, और पृथ्वी का फल इस्राएल के बच निकलनेवालों के लिये उत्तम और शोभनीय होगा। और ऐसा होगा कि जो सिय्योन में बचा है, और जो यरूशलेम में रह गया है, वह पवित्र कहलाएगा—वह हर एक जो यरूशलेम में जीवितों में लिखा हुआ है।' यशायाह 4:2, 3।" भविष्यद्वक्ता और राजा, 591, 592।

मुद्रांकन दानिय्येल के "शुद्ध किए गए, श्वेत बनाए गए और परखे गए" का दूसरा चरण है। ग्यारह और बारह पद रूस के अंतिम उदय और पतन की पहचान करते हैं, जो भविष्यवाणी के अनुसार "दक्षिण का राजा" है और पद तेरह से

पंद्रह में वर्णित पानियम के युद्ध से पहले घटित होता है। जब एक लाख चवालीस हज़ार के मैले वस्त्र महान प्रायश्चित्त-दिवस के समापन दृश्यों में मसीह द्वारा उतार दिए जाते हैं, तो उन्हें एक "सुंदर पगड़ी" मिलती है; किरमिज़ी वस्त्र और सोने की जंजीर के साथ यह दानिय्येल की तीसरे शासक के पद पर उन्नति है। वही यूसुफ का सोने की जंजीर का उपहार, उसका दूसरे शासक के पद पर उन्नत होना और राजा की "अँगूठी" का उपहार भी है। "अँगूठी" उस राजसी मुहर का प्रतिनिधित्व करती है, जिससे शासक अपने कानूनों पर राजसी छाप लगाता था।

दारियुस ने अपनी राजमुद्रा से उस गढ़े को मुहरबंद कर दिया जहाँ दानिय्येल को शेरों के बीच रखा गया था।

तब राजा ने आज्ञा दी, और वे दानिय्येल को लाए और उसे सिंहों की मांद में डाल दिया। तब राजा ने दानिय्येल से कहा, "जिस परमेश्वर की तू निरंतर सेवा करता है, वही तुझे छुड़ाएगा।" और एक पत्थर लाया गया और मांद के मुख पर रख दिया गया; और राजा ने उसे अपनी मुहर से, और अपने सरदारों की मुहरों से मुहरबंद कर दिया, ताकि दानिय्येल के विषय में निर्णय न बदला जाए। दानिय्येल 6:16, 17.

"signet" के रूप में अनूदित इब्रानी शब्द का स्ट्रॉन्स में क्रमांक H5824 है, और यह H5823 के अनुरूप एक मूल शब्द से निकला है; जिसका अर्थ उकेरी हुई मुद्रिका (मुहर की अँगूठी) है। स्वर्गदूत के सामने यहोशू, सिंहों की मांद में दानिय्येल, और फ़िरौन के सामने यूसुफ—ये एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो दानिय्येल बारह में दूसरा परीक्षण है, जहाँ जो शुद्ध किए गए हैं, उन्हें "परखे" जाने से पहले "श्वेत किया" जाता है। ये रेखाएँ "जरूब्बाबेल," "शाल्तिएल के पुत्र" द्वारा भी दर्शाई गई हैं।

उस दिन, सेनाओं का यहोवा कहता है, हे जरूब्बाबेल, मेरे दास, शील्लिएल के पुत्र, मैं तुझे ले लूँगा, यहोवा कहता है, और तुझे मुद्रिका के समान कर दूँगा; क्योंकि मैंने तुझे चुन लिया है, सेनाओं का यहोवा कहता है। हाग्वै 2:23.

जरूब्बाबेल का अर्थ 'बाबुल की संतान' है, और उसके पिता शल्लिएल थे, जिसका अर्थ है 'परमेश्वर से माँगा गया'। जरूब्बाबेल उस दूसरे स्वर्गदूत के संदेश का प्रतिनिधित्व करता है जो अंतिम दिनों में बाबुल की संतानों को परमेश्वर के झुंड में बुलाता है। 'प्रार्थना' का तत्व उन एक लाख चवालीस हज़ार से जुड़ा है जो बाबुल की अंतिम संतानों को बाहर बुलाते हैं, क्योंकि वह जागृति केवल प्रार्थना से ही आती है।

हमारे बीच सच्ची परमेश्वर-भक्ति का पुनर्जागरण हमारी सभी आवश्यकताओं में सबसे बड़ा और सबसे तात्कालिक है। इसे खोजना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गंभीर प्रयास होना चाहिए, इसलिए नहीं कि परमेश्वर हमें अपना आशीर्वाद देने के लिए इच्छुक नहीं है, बल्कि इसलिए कि हम उसे ग्रहण करने के लिए तैयार नहीं हैं। जितनी इच्छा सांसारिक माता-पिता को अपने बच्चों को अच्छे उपहार देने की होती है, उससे कहीं अधिक हमारे स्वर्गीय पिता उनसे मांगनेवालों को अपना पवित्र आत्मा देने के इच्छुक हैं। परन्तु स्वीकारोक्ति, दीनता, पश्चाताप और गंभीर प्रार्थना के द्वारा उन शर्तों को पूरा करना हमारा ही काम है, जिन पर परमेश्वर ने हमें अपना आशीर्वाद देने का वचन दिया है। पुनर्जागरण की अपेक्षा केवल प्रार्थना के उत्तर में ही की जानी चाहिए। जब लोग परमेश्वर के पवित्र आत्मा से इतने वंचित हों, तो वे वचन के उपदेश की सराहना नहीं कर सकते; परन्तु जब आत्मा की शक्ति उनके हृदयों को छूती है, तब दिए गए प्रवचन निष्फल नहीं रहेंगे। परमेश्वर के वचन की शिक्षाओं के निर्देशन में, उसके आत्मा के प्रगटीकरण के साथ, और स्वस्थ विवेक का प्रयोग करते हुए, जो लोग हमारी सभाओं में सम्मिलित होंगे, वे एक बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करेंगे, और घर लौटकर, सद्प्रभाव डालने के लिए तैयार होंगे।

पुराने ध्वजवाहक जानते थे कि प्रार्थना में परमेश्वर से जूझना क्या होता है, और उसकी आत्मा के उंडेले जाने का आनंद कैसे लिया जाता है। परंतु वे कार्य के मंच से उतरते जा रहे हैं; और उनकी जगह भरने के लिए कौन आगे आ रहा है? उभरती पीढ़ी का क्या हाल है? क्या वे परमेश्वर की ओर परिवर्तित हुए हैं? क्या हम स्वर्गीय पवित्रस्थान में चल रहे कार्य के प्रति जागे हुए हैं, या हम इस प्रतीक्षा में हैं कि, इससे पहले कि हम जागें, कोई बाध्य करने वाली शक्ति कलीसिया पर उतर आए? क्या हम यह आशा कर रहे हैं कि पूरी कलीसिया जाग उठे? वह समय कभी नहीं आएगा।

कलीसिया में ऐसे व्यक्ति हैं जो परिवर्तित नहीं हुए हैं, और जो गंभीर और प्रभावी प्रार्थना में एक मन होकर सम्मिलित नहीं होंगे। हमें इस कार्य में व्यक्तिगत रूप से लगना होगा। हमें अधिक प्रार्थना करनी चाहिए और कम बोलना चाहिए। दुष्टता बढ़ रही है, और लोगों को यह सिखाया जाना चाहिए कि आत्मा और सामर्थ्य के बिना भक्ति के केवल बाहरी रूप से संतुष्ट न रहें। यदि हम अपने ही हृदय की जांच करने, अपने पापों का त्याग करने, और अपनी बुरी प्रवृत्तियों को सुधारने के लिए तत्पर हों, तो हम व्यर्थ अभिमान से फूल नहीं उठेंगे; हम स्वयं पर भरोसा नहीं करेंगे, और हमारे भीतर यह स्थायी बोध रहेगा कि हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है। चयनित संदेश, पुस्तक 1, पृष्ठ 121, 122.

प्रार्थना का मार्गचिह्न दानिय्येल में वर्णित है, जहां अध्याय 2 में बाहरी संदेश को समझने के लिए की गई प्रार्थना का, और अध्याय 9 में दर्शाए गए आंतरिक संदेश को पूरा करने के लिए की गई प्रार्थना का वर्णन है। जरुब्बाबेल और उसके पिता शाल्त्तेएल दूसरी परीक्षा में एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो पशु की प्रतिमा की दृश्य परीक्षा है। यह प्रकाशितवाक्य अध्याय 11, पद 11 में दर्शाई गई आंतरिक परीक्षा भी है, और दानिय्येल अध्याय 11, पद 11 में दर्शाई गई बाहरी परीक्षा भी।

हम अगले लेख में ग्यारहवें श्लोक पर चर्चा जारी रखेंगे.